Self Respect

23-06-2014

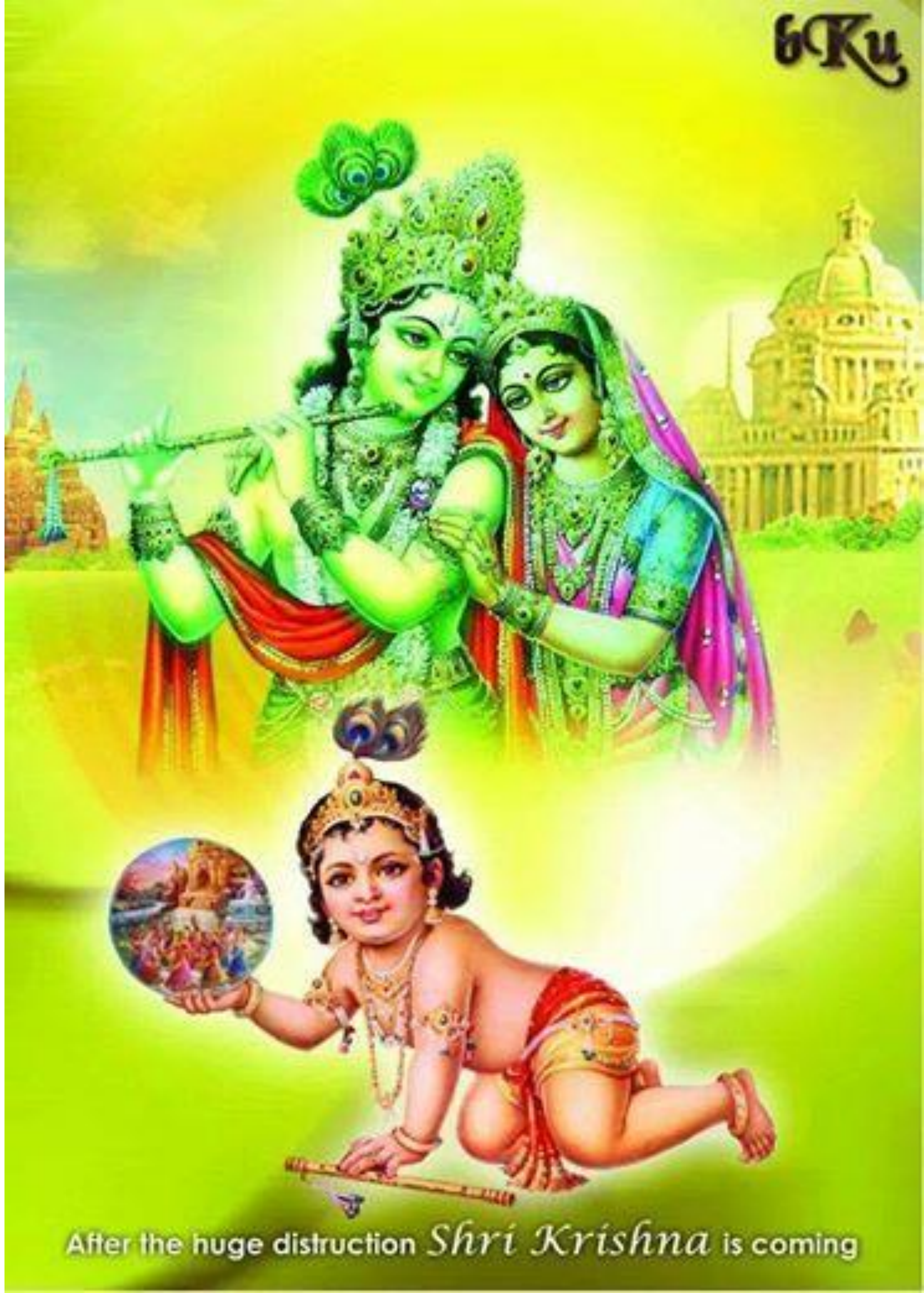

- ✓मीठे-मीठे रूहानी बच्चों प्रति बाप समझा रहे हैं, पढ़ा भी रहे हैं | क्या समझा रहे हैं? मीठे बच्चों, तुमको एक तो आयु बड़ी चाहिए क्योंकि तुम्हारी आयु बहुत बड़ी थी | 150 वर्ष की आयु थी, बड़ी आयु कैसे मिलती है? तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने से | जब तुम सतोप्रधान थे तो तुम्हारी आयु बहुत बड़ी थी | अभी तुम ऊपर चढ़ रहे हो |

- ✓अभी तुम जानते हो बाप हमको बड़ी आयु बनाने की युक्ति बताते हैं | मीठे-मीठे बच्चों मुझे याद करोगे तो तुम जैसे सतोप्रधान थे बड़ी आयु वाले, तन्दुरुस्त थे, ऐसे फिर से बन जाओगे | आयु छोटी होने से मरने का डर रहता है | तुमको तो गैरन्टी मिलती है कि सतयुग में ऐसे अचानक कभी मरेंगे नहीं | बाप को याद करते रहेंगे तो आयु बड़ी होगी और सब दुःख भी दूर हो जायेंगे |

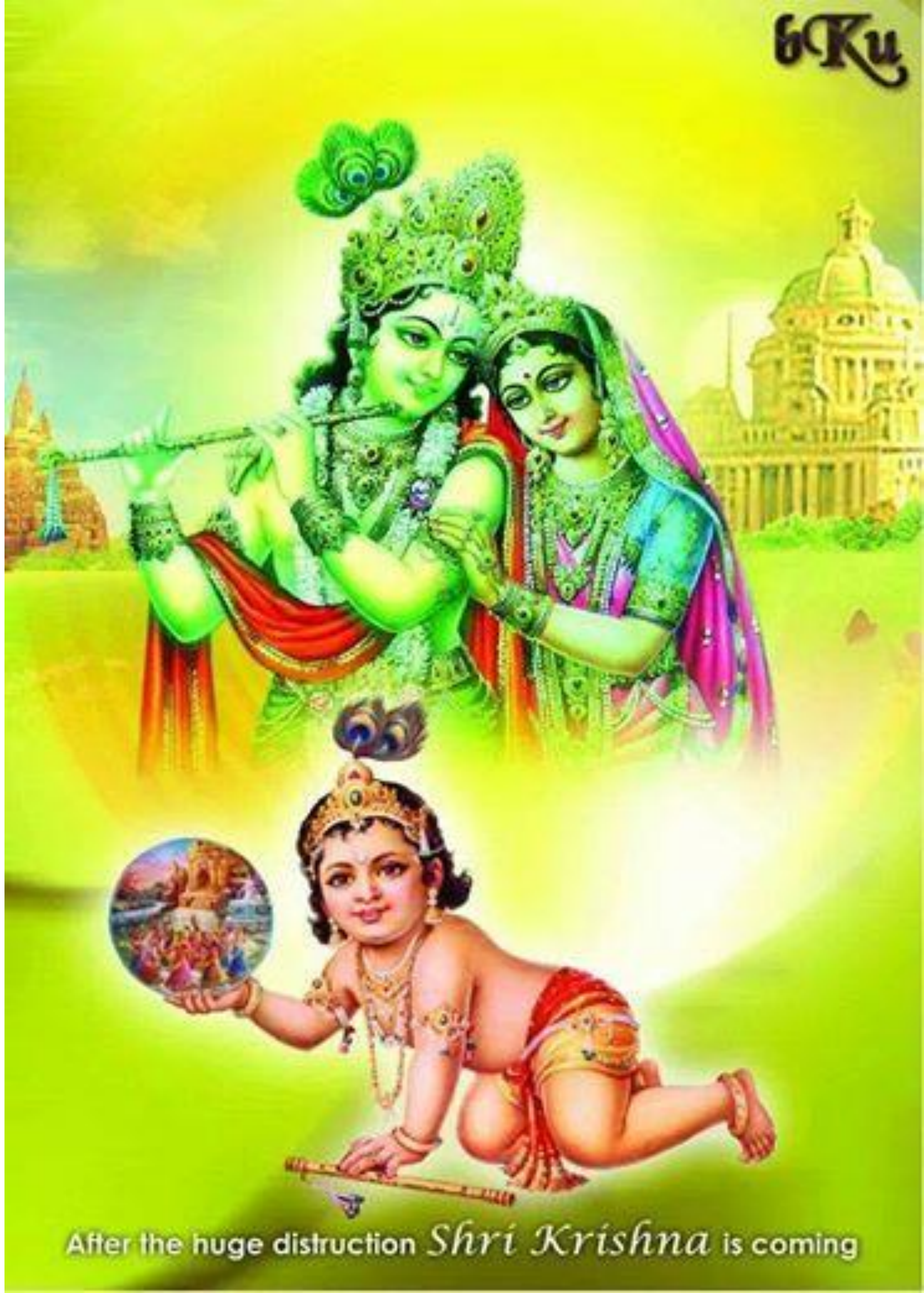

- ✓इस जन्म में जो सुधारेंगे तो वह सुधार 21 जन्मों तक चलना है | सबसे जरुरी बात है वाइसलेस बनना |

- ✓बच्चे जानते हैं बाप हमको अभी समझदार बना रहे हैं इसलिए उनको सब याद करते हैं | सबसे अच्छी समझ तुमको मिलती है कि पावन बनना है और फिर गुण भी चाहिए | देवताओं के आगे जो तुम महिमा गाते आये हो, अभी ऐसा तुमको बनना है | बाप समझाते हैं मीठे-मीठे बच्चों, तुम कितने मीठे-मीठे गुल-गुल फूल थे फिर कांटे बन पड़े हो | अब बाप को याद करो तो याद से तुम्हारी आयु बड़ी होगी | पाप भी भस्म होंगे | सिर से बोझा हल्का होगा |

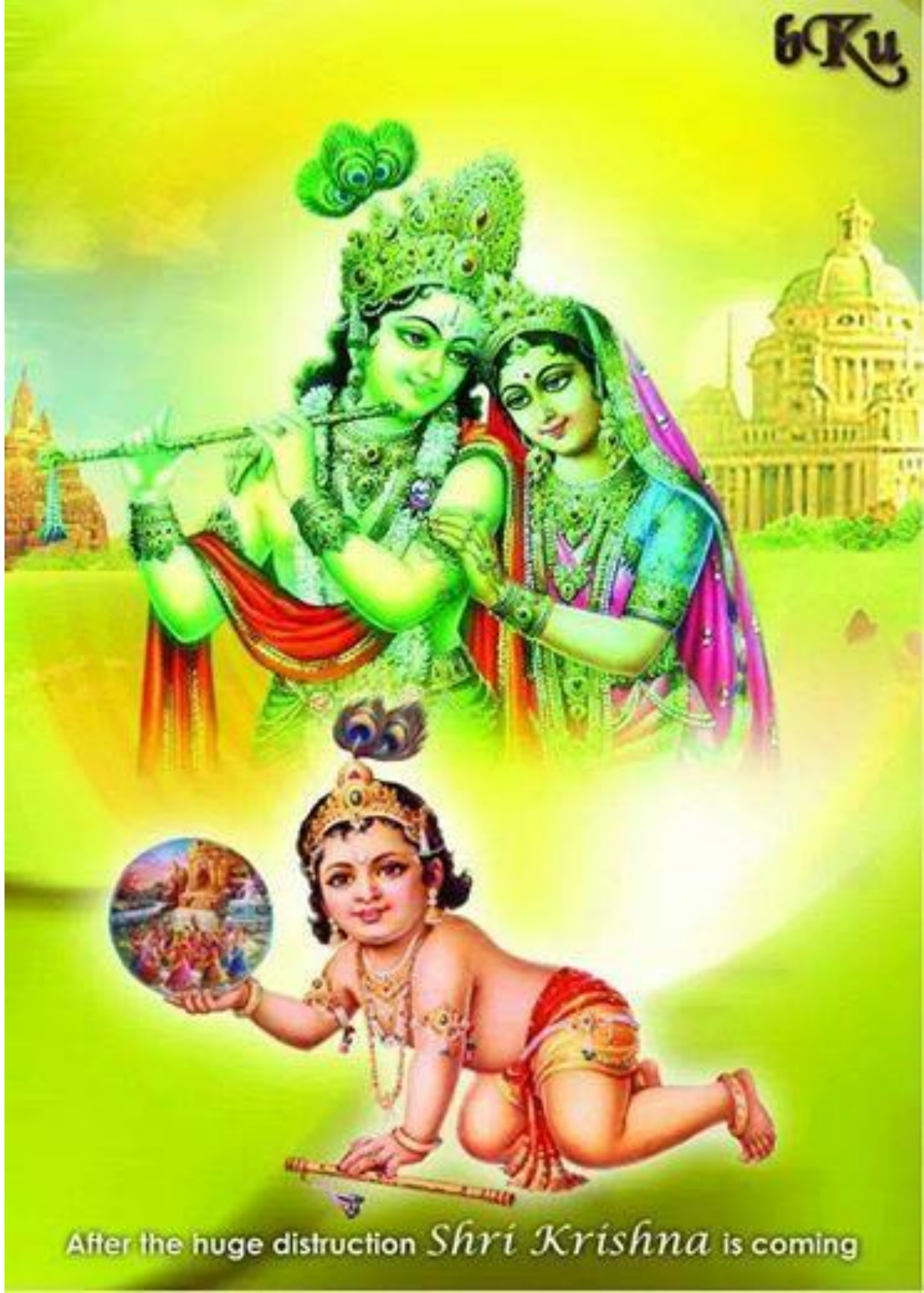

- ✓ बाप तुमको ऊँच बनाते हैं, बाप के तुम बच्चे हो ना | जैसे कोई का बाप महाराजा होता है तो कहेंगे ना हमारा बाबा महाराजा है | बाबा बहुत सुख देने वाला है |

- ✓ अभी अविनाशी सर्जन द्वारा तुम्हारी दवाई हो रही है |

- ✓ आसुरी रावण सम्प्रदाय तुमको पहचानते ही नहीं हैं कि आखरीन में यह हैं कौन? यह बी.के. क्या समझाते हैं? रियल्टी में कोई नहीं जानते | यह बी.के. क्यों कहलाते हैं? ब्रह्मा किसकी सन्तान है? अभी तुम बच्चे जानते हो हमको वापिस घर जाना है | यह बाप बैठ तुम बच्चों को शिक्षा देते हैं | आयुश्वान भव, धनवान भव......तुम्हारी सब कामनायें पूरी करते, वरदान देते हैं | परन्तु सिर्फ़ वरदान से कोई काम नहीं होता | मेहनत करनी है

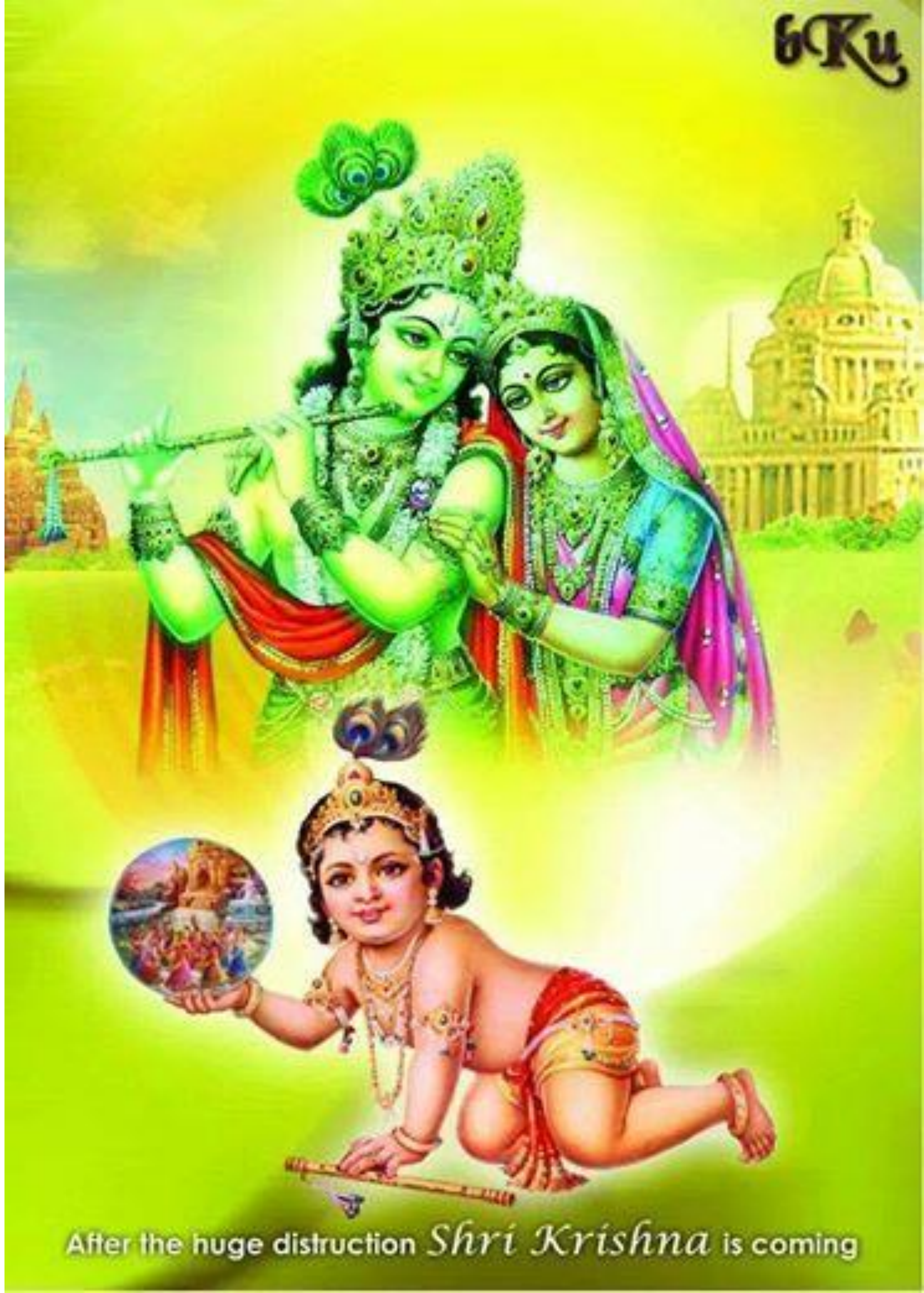

- ✓ बाप अधिकारी बनाते हैं | तुम बच्चों को शिक्षा देते हैं ऐसे-ऐसे करो

- ✓यहाँ तुम पढ़ रहे हो और वह भक्त लोग क्या-क्या करते हैं | तुमको अभी हँसी आती है | ड्रामा अनुसार भक्ति करते कदम नीचे उतरते आये हैं | ऊपर तो कोई चढ़ न सके | अभी यह है पुरुषोत्तम संगमयुग, जिसका कोई को पता नहीं है | अभी तुम पुरुषोत्तम बनने के लिए पुरुषार्थ करते हो | टीचर स्टूडेन्ट का सर्वेन्ट होता है ना, स्टूडेन्ट की सर्विस करते हैं! गवर्मेन्ट सर्वेन्ट है | बाप भी कहते हैं – सेवा करता हूँ, तुमको पढ़ाता भी हूँ | सभी आत्माओं का बाप है | टीचर भी बनते हैं | सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान भी सुनाते हैं | यह ज्ञान और कोई मनुष्य में हो न सके | कोई सिखला न सके | तुम पुरुषार्थ ही करते हो कि हम यह बनें |

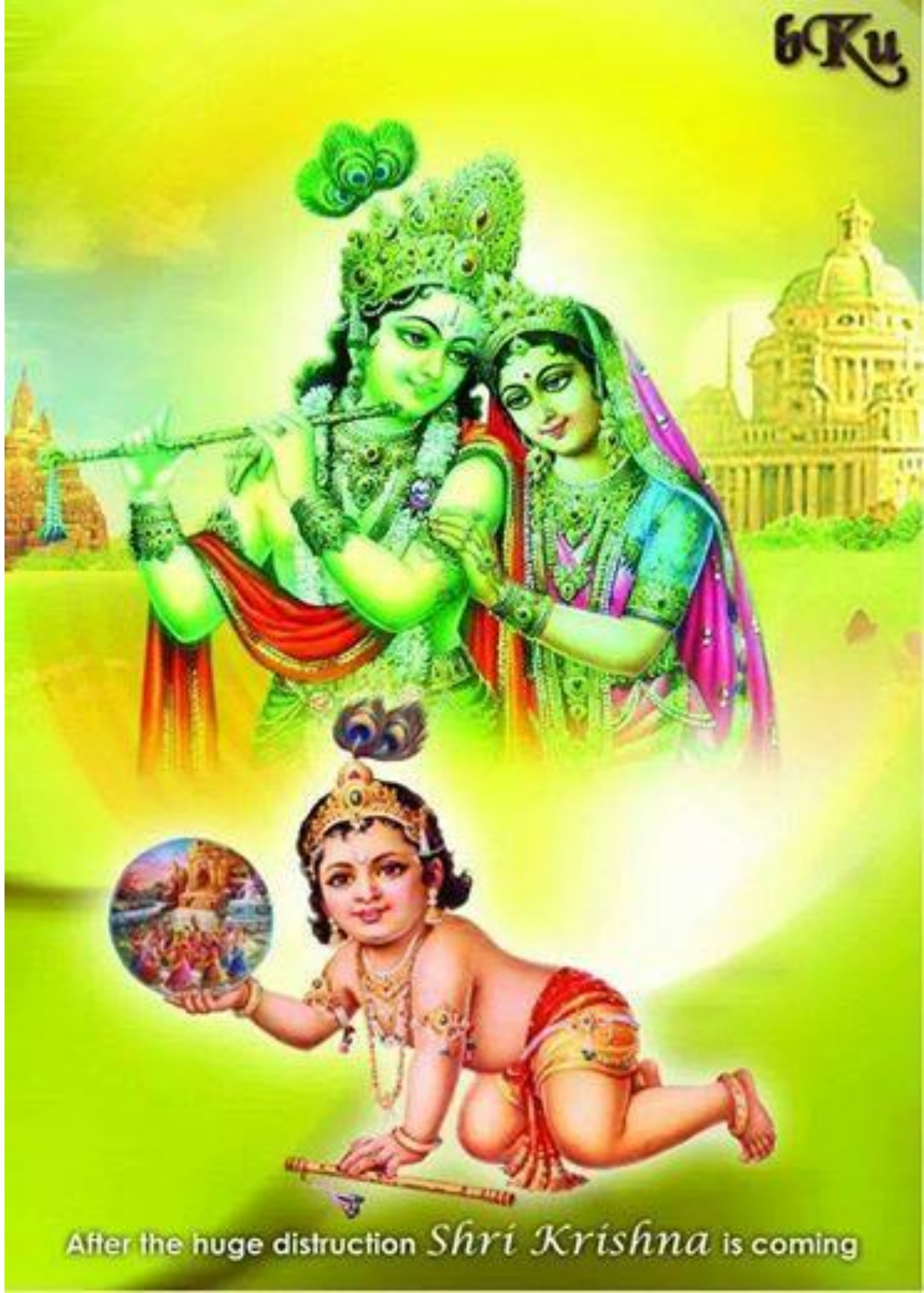

- ✓ तुम जानते हो यह देह के सम्बन्धी तो ख़लास हो जाने हैं | तुम यहाँ गुप्त कमाई कर रहे हो | तुमको शरीर छोड़ना है, कमाई करके और बहुत ख़ुशी से हर्षितमुख हो शरीर छोड़ना है |

- ✓ बाप की याद में अशरीरी हो कितना भी चक्र लगाओ, भल यहाँ से नीचे आबूरोड तक चले जाओ तो भी थकावट नहीं होगी | पाप कट जायेंगे | हल्के हो जायेंगे | तुम बच्चों को कितना फ़ायदा होता है और कोई तो जान न सके |

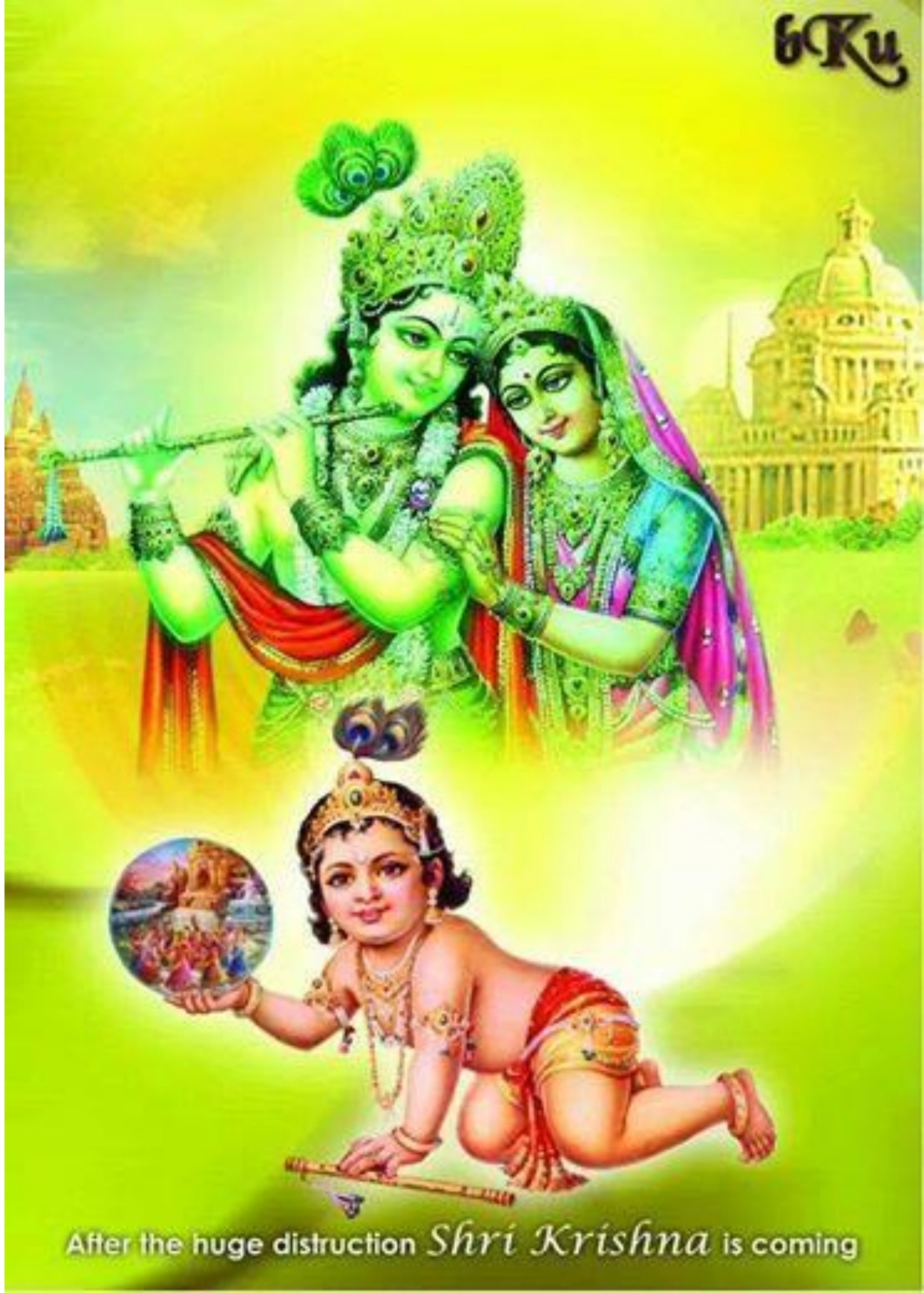

- ✓ अभी तुम रावण से निकल आये हो | इसको कहा जाता है – पुरुषोत्तम संगमयुग | अभी तुम पुरुषार्थ कर रहे हो रामराज्य में जाने के लिये | सतयुग है राम राज्य |

- ✓ अभी तुम जानते हो बाप कैसे आये हैं, कहाँ रहते हैं, कैसे आकर राजयोग सिखाते हैं?

- ✓ सफ़ल करने की विधि से सफ़लता का वरदान प्राप्त करने वाले वरदानी मूर्त भव

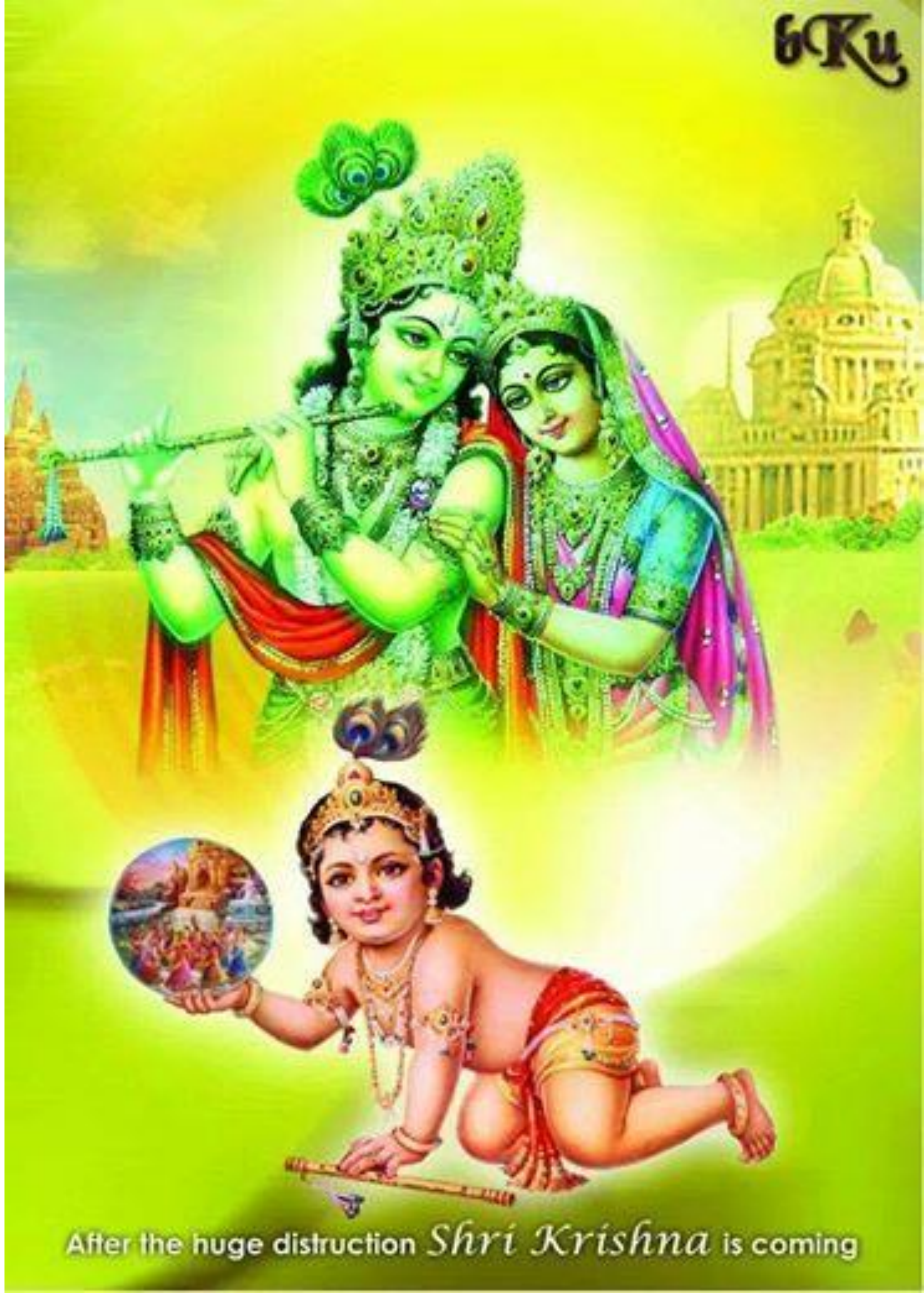

- ✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |